

मध्य प्रदेश में जमुई मजारी कोयला खान  
में मरे श्रमिकों के परिवारों  
को दिया गया मुआवजा

6661. श्री धनशाह प्रधान : क्या अम  
और पुनर्वासि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे  
कि :

(क) क्या जुलाई, 1970-71 में चारमेटा,  
छिन्दवाड़ा, मध्य प्रदेश स्थित जमुई मजारी  
कोयला खान में 21 श्रमिक घटनास्थल पर ही  
मर गए थे ?

(ख) क्या सरकार ने इन मृत श्रमिकों के  
परिवारों को कोई मुआवजा दिया है और यदि  
हाँ, तो इस प्रकार दिए गए मुआवजे की  
राशि क्या है; और

(ग) ऐसी घटनाओं को भविष्य में होने से  
रोकने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही  
है ?

अम और पुनर्वासि मंत्री (श्री आर० के०  
खाडिलकर) : (क) जमुई मजारी कोल कम्पनी  
की मुकरी कॉलियरी में 9-7-71 को एक घातक  
दुर्घटना हुई थी जिसमें एक ध्वंसित मृत्यु ग्रस्त  
हो गया ।

(ख) श्रमिक मुआवजा अधिनियम, 1923  
की, जिसका प्रचालन राज्य क्षेत्राधिकार के अंतर्गत  
आता है, धाराओं के अन्तर्गत मुआवजा प्रबन्ध  
द्वारा देय है ।

(ग) दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अप-  
नाए जाने वाले सुरक्षा के उपाय खान अधिनियम,  
1952 के अन्तर्गत निमित्त विनियमनों में विवरण  
सहित दिये गये हैं । इन सुरक्षा के उपबंधों को  
लागू करने के लिए निरीक्षण किए जाते हैं ।

फिल्मों तथा अन्य दृश्य-श्रवण ढंगों आदि  
द्वारा और विशेष सुरक्षा मपत्ताही को संचालित  
करके श्रमिकों में सुरक्षा का ज्ञान बढ़ाने के लिए  
प्रयास भी लगातार किये जा रहे हैं । इसके

अतिरिक्त, श्रमिकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण  
कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षा पद्धतियों में प्रशिक्षण  
दिया जाता है ।

#### Bokaro Steel Plant

6662. SHRI P. VENKATASUBBAIAH:  
Will the Minister of STEEL AND MINES  
be pleased to state :

(a) the reaction of Government to the  
findings of the Committee on Public Under-  
takings that the delays in constructions of  
the Soviet-aided Bokaro Steel Plant had been  
to some extent due to the organisational  
failures on the part of the Bokaro Steel Ltd .  
and

(b) the steps envisaged to check the  
same ?

THE MINISTER OF STATE IN THE  
MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) and  
(b). The Committee have observed that the  
delay in the construction of the Project is  
"primarily due to the belated submission of  
technical data, drawings, cranes, delay in  
civil engineering work and supplies from  
private and public undertakings". It has  
then been pointed out that to some extent  
organisational failures were also responsible  
for this delay. The reference here is to  
possible shortcomings in the organisation in  
the period prior to 1969. The management  
has been strengthened suitably from time to  
time and is now working efficiently.

#### विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों का खोला जाना

6663. श्रीमती सहोबरा बाई राय :  
श्री ईश्वर चौधरी :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे  
कि :

(क) क्या भारतीय सांस्कृतिक संबंध परि-  
पद् द्वारा सान-फ्रांसिस्को (अमेरिका), सूबा  
(फिजी) और जाजं टाउन (गुयाना) में बालू  
वित्तीय वर्ष में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र खोले  
जा रहे हैं;